web: www.nyaysakshi.com || पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल || पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, मंगलवार 07 सितंबर 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 338

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

महत्वपूर्ण एवं खास

पीएम मोदी 13वीं ब्रिक्स समिट की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को 13वीं ब्रिक्स समिट की अध्यक्षता करेंगे। समिट पूरी तरह से वर्चुअली आयोजित होगा। इसमें भारत के अलावा चीन, रूस, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। माना जा रहा है कि बैठक में सभी देशों का फोकस अफगानिस्तान में बदलते हालात के मुद्दे पर होगा। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

200 करोड़ की रंगदारी केस में चार और लोग गिरफ्तार

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह को कथित तौर पर 200 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में चार और लोगों को गिरफ्तार किया है. इससे पहले रविवार को दिल्ली पुलिस ने अभिनेत्री लीना मारिया पॉल को रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह से 200 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण (मकोका) अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है और इस मामले में आगे की जांच जारी है. उन्होंने कहा कि पॉल ने कथित तौर पर फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रवर्तक शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह के साथ ठगी करने में सुकेश चंद्रशेखर की मदद की थी.

जीजा ने हथौड़े से पीट-पीट कर की साले की हत्या

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली के नरेला से हैरान करने वाला मामला सामने आया है. पुलिस ने एक चौंकाने वाले मामले का खुलासा किया है. जहां पुलिस ने शख्स की हत्या के आरोप में उसके जीजा को गिरफ्तार किया है. उस पर आरोप है कि जीजा ने अपने साले को हथौड़े से पीट पीट कर बेरहमी से मार डाला. क्योंकि जीजा को शक था कि साला उसकी बीवी यानी अपनी बहन के साथ जबरदस्ती अवैध संबंध बनाता है. दरअसल, ये मामला राजधानी दिल्ली के नरेला इलाके का है. जहां पुलिस ने 3 सितंबर को राहुल नाम के शख्स का शव नरेला से बरामद किया था. पुलिस के मुताबिक उसके सिर पर वार किया गया था. पुलिस ने जब मामले की जांच-पड़ताल की, तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ. आरोपी विकास ने पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में बताया कि उसका साला राहुल अपनी बहन के साथ अवैध संबंध बनाता था. गौरतलब हैं कि बवाना के रहने वाले विकास ने नरेला की रहने वाली काजल के साथ लव मैरिज हुई थी. लेकिन शादी के कुछ दिनों बाद से विकास को शक हुआ कि उसका साला उसकी पत्नी से छेड़छाड़ करता था. इसका काजल ने विरोध भी किया था. विकास के मुताबिक, कई बार राहुल ने अपनी बहन के साथ जोर जबरदस्ती कर अवैध संबंध भी बनाए. वहीं, एक दिन विकास ने राहुल को अपनी पत्नी से सोते समय छेड़छाड़ करते हुए अपनी आंखो से देख लिया, जिसके बाद से ही उसने विकास को रास्ते से हटाने का मन बना लिया.

तालिबान ने 4 विमानों को उड़ान भरने से रोका

काबुल। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद यहां से निकलने का प्रयास कर रहे सैकड़ों लोगों को लेकर उड़ान भरना चाह रहे कम से कम चार विमान बीते कई दिन से वहां से निकल नहीं पा रहे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अफगानिस्तान से निकलना चाह रहे लोगों की मदद करने के लिए अमेरिका पर बढ़ते दबाव के बीच, ये विमान वहां से उड़ान क्यों नहीं भर पा रहे हैं इस बारे में तरह-तरह की बातें हो रही हैं। उत्तरी शहर मजार ए शरीफ के हवाईअड्डे पर एक अफगान अधिकारी ने बताया कि विमानों में सवार लोग अफगानिस्तान के होंगे, जिनमें से ज्यादातर के पास पासपोर्ट और वीजा नहीं है इसलिए वे देश से निकल नहीं पा रहे हैं। अब इस स्थिति का हल निकलने के इंतजार में वे हवाईअड्डे से होटल चले गए हैं। हालांकि अमेरिका में संसद की विदेश मामलों की समिति में एक शीर्ष रिपब्लिकन सदस्य ने कहा कि समूह में अमेरिकी शामिल हैं और वे विमानों में बैठे हुए हैं, लेकिन तालिबान उन्हें उड़ान नहीं भरने दे रहा और उन्हें 'बंधक बना रखा है।

राष्ट्रपति कोविंद ने गोवा में नेवल एविएशन को ध्वज प्रदान किया

पणजी (आरएनएस)। राष्ट्रपति और भारतीय सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर राम नाथ कोविंद ने सोमवार को आईएनएस हंस, गोवा में भारतीय नेवल एविएशन को ध्वज प्रदान किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, 150 सैनिकों की एक समारोहपूर्ण परेड ने राष्ट्रपति को सलामी दी। गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लै, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ प्रमोद सावंत, पर्यटन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक, नौसेनाध्यक्ष एडमिरल करमबीर सिंह, पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ वाइस एडमिरल आर हरि कुमार और फ्लैग ऑफिसर नेवल एविएशन रियर एडमिरल फिलिपोज जी प्युनुमूटिल के साथ-साथ अन्य नागरिक और सैन्य गणमान्य व्यक्ति इस समारोह में शामिल हुए।

शांति और युद्ध दोनों में राष्ट्र को दी गई असाधारण सेवा के सम्मान में, एक सैन्य इकाई को राष्ट्रपति का ध्वज प्रदान किया जाता है। नेवल एविएशन ने पिछले सात दशकों में हमारे राष्ट्र के लिए उल्लेखनीय और वीरतापूर्ण सेवा के साथ खुद को प्रतिष्ठित किया है। भारतीय नौसेना 27 मई 1951 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद से ध्वज प्राप्त करने वाली पहली भारतीय सशस्त्र सेना थी। इसके बाद नौसेना में राष्ट्रपति का ध्वज प्राप्त करने वालों में दक्षिणी नौसेना कमान, पूर्वी नौसेना कमान, पश्चिमी नौसेना कमान, पूर्वी बेड़ा, पश्चिमी बेड़ा, पनडुब्बी शाखा, आईएनएस शिवाजी और भारतीय नौसेना अकादमी शामिल हैं।

शांति और युद्ध दोनों के दौरान प्रदान की गई विशिष्ट सेवा की मान्यता के लिए भारतीय नेवल एविएशन को ध्वज प्रदान किया गया है। यह शाखा 13 जनवरी 1951 को पहले सीलैंड विमान के अधिग्रहण के साथ अस्तित्व में आई और 11 मई 1953 को कोच्चि में आईएनएस गरुड़ को इसमें शामिल किया गया। आज नेवल एविएशन में भारतीय समुद्र तट के साथ अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के नौ वायु स्टेशनों और तीन नौसेना वायु एन्क्लेव को मजबूती प्रदान करता है। पिछले सात दशकों में, यह एक आधुनिक, तकनीकी रूप से उन्नत और अत्यधिक शक्तिशाली बल में बदल गया है, जिसमें लड़ाकू विमान, समुद्री टोही विमान, हेलीकॉप्टर और दूर-संचालित विमान (आरपीए) सहित 250 से अधिक विमान शामिल हैं। आज नेवल एविएशन अपने संसाधनों के बल पर सभी प्रकार के सैन्य अभियानों के संचालन में सक्षम है। नेवल एविएशन भारतीय नौसेना की मुख्य भूमिकाओं - सैन्य, राजनयिक, कांस्टेबुलरी और हितकारी - का एक महत्वपूर्ण घटक है।

नेशनल हाईवे पर मिलिट्री विमान की लैंडिंग

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय वायुसेना का एक विमान इस सप्ताह राजस्थान के बाड़मेर में एक राष्टीय राजमार्ग पर आपात लैंडिंग का अभ्यास करेगा। इस विमान में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी सवार होंगे।

सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि दोनों मंत्री राजनाथ व गडकरी इस सप्ताह आठ सितंबर को बाड़मेर में राष्टीय राजमार्ग पर 3.5 किलोमीटर लंबी पट्टी का उद्घाटन करेंगे, क्योंकि यह वायुसेना के लड़ाकू विमानों और अन्य विमानों की आपात लैंडिंग के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यह भारत का पहला राष्टीय राजमार्ग है जिसका इस्तेमाल भारतीय वायुसेना के विमानों की आपात लैंडिंग के लिए किया जाएगा। अक्टूबर 2017 में, वायुसेना के लड़ाकू जेट और परिवहन विमानों ने लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर लैंडिंग का अभ्यास किया था ताकि यह दिखाया जा सके कि ऐसे राजमार्गों का उपयोग वायुसेना विमानों को आपात स्थिति में उतारने के लिए किया जा सकता है। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन आता है। भारतीय राष्टीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों ने बाड़मेर में राष्टीय राजमार्ग पर हवाई पट्टी विकसित करने के लिए वायुसेना अधिकारियों के साथ समन्वय कर काम किया। उन्होंने कहा कि बाड़मेर में उपरोक्त इस राजमार्ग के अलावा देश भर में कम से कम 12 राष्टीय राजमार्ग तैयार किए जा रहे हैं ताकि आपात स्थिति में वायुसेना के विमानों द्वारा उन्हें हवाई पट्टी के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। सूत्रों ने बताया कि 12 राष्टीय राजमार्गों के जिन हिस्सों को हवाई पट्टी के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा, उनकी पहचान की जा रही है और उन्हें तैयार किया जा रहा है।

ट्रिब्यूनल सुधार एक्ट और नियुक्ति में देरी पर केंद्र को फटकार

» सरकार नहीं करती अदालत के फैसले का सम्मानः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। ट्रिब्यूनल सुधार एक्ट और नियुक्तियों में हो रही देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आज केंद्र सरकार को जमकर फटकार लगाई है। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण ने कहा कि हमें लगता है कि केंद्र को शीर्ष अदालत के फैसलों का कोई सम्मान नहीं है अगर वह सम्मान करते तो इसे लागू करने के बजाए टालते नहीं। शीर्ष अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि आप हमारे धैर्य की परीक्षा मत लीजिए। मुख्य न्यायाधीश ने सख्त टिप्पणी करते हुए केंद्र को ट्रिब्यूनलों में नियुक्ति के लिए एक हफ्ते का वक्त दिया है। साथ ही कहा कि आशा करता हूं कि सरकार नियुक्तियों का आदेश जारी करेगी। कोर्ट ने मामले की सुनवाई को अगले हफ्ते (सोमवार) तक के लिए टाल दिया है।

साथ ही अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी भी दी। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि सशस्त्र बलों के ट्रिब्यूनलों में भी पद खाली हैं, सभी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट के पास आ रही हैं। केंद्र सरकार पर आरोप लग रहे हैं कि केंद्र सदस्यों की नियुक्ति नहीं करके ट्रिब्यूनल को कमजोर कर रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार के पास तीन विकल्प हैं। पहला कि वह ट्रिब्यूनल सुधार एक्ट 2021 कानून पर रोक लगा दें। दूसरा कि ट्रिब्यूनलों को बंद कर दें।

ऐसे लोगों को 4 सप्ताह में ही लगे कोविशील्ड की दूसरी डोज

» केरल हाई कोर्ट का केंद्र सरकार को आदेश

नई दिल्ली (आरएनएस)। केरल हाई कोर्ट ने सोमवार को केंद्र को निर्देश दिया है कि जो लोग शुरुआती प्रोटोकॉल के संदर्भ में जल्दी टीका लेना चाहते हैं, उनके लिए पहली खुराक से चार सप्ताह के बाद कोविशील्ड की दूसरी खुराक लेने की व्यवस्था करें। गौरतलब है कि देशभर में चल रहे कोरोना वैक्सीनेशन प्रोगाम में कोविशील्ड की दो खुराकों के बीच 84 दिन का अंतराल रखा गया है। जबकि कोवैक्सीन के

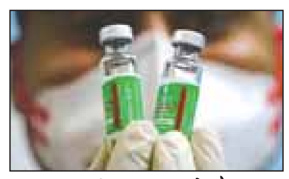

लिए यह सीम चार हफ्ते है।

जस्टिस पीबी सुरेश कुमार ने कहा कि यदि केंद्र और राज्य सरकारें विदेश यात्रा करने वाले व्यक्तियों को कोविड-19 से जल्दी और बेहतर सुरक्षा को लेकर चयन करने की अनुमति दे सकती हैं, तो कोई कारण नहीं है कि यह समान विशेषाधिकार यहां उन लोगों को नहीं दिया जा सकता है जो जो अपने रोजगार या शिक्षा के संबंध में वायरस से जल्दी सुरक्षा चाहते हैं। हाई कोर्ट की ओर से सोमवार को उपलब्ध कराए गए 3 सितंबर के आदेश में कहा है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की नीति के अनुसार भी लोगों के पास जल्दी टीकाकरण कराने का विकल्प होना चाहिए। जिसके क्रियान्वयन के लिए निजी अस्पतालों के माध्यम से भी भुगतान के आधार पर वैक्सीन का वितरण किया जा रहा है।

हाई कोर्ट ने वैक्सीन के प्रारंभिक प्रोटोकॉल के संदर्भ में केंद्र को कोविन पोर्टल में तुरंत आवश्यक प्रावधान करने का निर्देश दिया है। ताकि जो लोग चार सप्ताह की अवधि के बाद दूसरी खुराक लेना चाहते हैं, उनके लिए पहली खुराक के चार बाद कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी खुराक का समय निर्धारित किया जा सके।

हाई कोर्ट का यह निर्देश काइटेक्स गारमेंट्स लिमिटेड की याचिका को स्वीकार किए जाने पर आया है। याचिका का प्रतिनिधित्व अधिवक्ता ब्लेज के जोस ने किया था। याचिका में 84 दिनों तक इंतजार किए बिना अपने कर्मचारियों को कोविशिल्ड वैक्सीन की दूसरी खुराक देने की अनुमति मांगी गई थी।

रेलवे ने कम किराये के साथ नई एसी-3 टियर इकॉनोमी क्लास कोच की शुरूआत की

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे हमेशा से बेहतर यात्री अनुकूल सुविधाओं के साथ कोच विकसित करके अपने यात्रियों की सुविधाजनक यात्रा के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय रेलवे की इस विकास यात्रा में नया शामिल होने वाला एसी थ्री टियर इकनॉमी क्लास कोच है। आज से नए कोच ने अपनी सेवा देना शुरू कर दिया है। पहली बार इस कोच को ट्रेन नंबर 02403 प्रयागराज-जयपुर एक्सप्रेस में जोड़ा गया है। 3एसी कोच की 72 बर्थ की तुलना में नए एसी इकनॉमी कोच में 83 बर्थ हैं। इसके साथ ही इस कोच का किराया 3एसी कोच से 8 फीसदी कम है।

जल्द ही दो और ट्रेनों, ट्रेन नंबर 02429/02430 नई दिल्ली-लखनऊ एसी स्पेशल और ट्रेन नंबर 02229/02230 लखनऊ मेल में इस नए 3एसी इकनॉमी कोच को जोड़ा जाएगा। शुरुआती तौर पर कपूरथला स्थित रेल कोच फैक्ट्री में निर्मित 50 नए इकनॉमी कोच विभिन्न क्षेत्रों में मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में अपनी सेवाएं देने के लिए तैयार हैं।

इस कोच में प्रवेश और एक व्हील चेयर पर दिव्यांगों के अनुकूल शौचालय के प्रावधान किए गए हैं, जो कि एक नई पहल है।

यात्री आराम में सुधार के लिए कई डिजाइन सुधार भी किए गए हैं। सभी बर्थ के लिए अलग-अलग सुराख प्रदान करके एसी वाहक पाइप प्रणाली को नए स्वरूप में बनाया गया है। आराम में सुधार, कोच का वजन कम करने और रखरखाव अनुकूलता में सुधार के लिए सीटों और बर्थों का बेहतर व मॉड्यूलर डिजाइन बनाया गया है।

लंबवत और आड़ा, दोनों हिस्सों में मुड़ने योग्य स्नैक टेबल, चोट न पहुंचाने वाली जगह और पानी की बोतल व मोबाइल फोन रखने के लिए बेहतर यात्री सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। प्रत्येक बर्थ के लिए व्यक्तिगत रीडिंग लाइट और यूएसबी चार्जिंग पॉइंट दिए गए हैं। मध्य और ऊपरी बर्थ तक पहुंचने के लिए सीढ़ी को एक नए एर्गोनॉमिक के रूप में उन्नत डिजाइन भी प्रदान किया गया है। मध्य और ऊपरी बर्थ में सिर से ऊपर का हिस्सा भी पहले से बढ़ा हुआ है।

वहीं सौंदर्यबोध की दृष्टि से आकर्षक व एर्गोनॉमिक (जिसमें कम मेहनत करना पड़े) प्रवेश द्वार के जरिए कोच तक पहुंचने के वातावरण और सुगमता में सुधार किया गया है। कोच के भीतरी हिस्से में ल्यूमिनसेंट गलियारा निशान, ल्यूमिनसेंट बर्थ नंबरों सहित नाइट लाइट्स के साथ एकीकृत इल्यूमिनेटेड बर्थ इंडिकेटर्स (संकेतक) हैं।

सामग्रियों के लिए ईएन45545-2 एचएल3 के विश्व बेंचमार्क के अनुपालन को सुनिश्चित करके अग्नि सुरक्षा में भी सुधार हुआ है, इस प्रकार यह नए अग्नि सुरक्षा मानक की उच्च आवश्यकताओं को भी पूरा करता है।

एक सप्ताह बाद 40 हजार से कम आए नए कोरोना मामले

» पिछले 24 घंटे में 38,948 नए मामले, 219 मरीजों की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में एक दिन में कोरोना संक्रमण के एक सप्ताह बाद चालीस हजार से कम मामले दर्ज हुए। यानि पिछले 24 घंटे में 38,948 नए केस मिले हैं। जबकि इस दौरान 219 मरीजों की मौत हुई। मौत का यह आंकड़ा पिछले 167 दिनों में सबसे कम दर्ज किया गया। इससे पहले गत 23 मार्च को एक दिन में कोविड-19 से 199 लोगों की मौत हुई थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार एक सप्ताह बाद कोरोना मामलों में नजर आई राहत के बाद देशभर में अब तक कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 3,20,63,616 हो गया है। जबकि कोरोना संक्रमण के कारण देश में अब तक कुल 4,40,752 लोगों ने अपनी जान गंवाई है और करीब डेढ़ माह बाद कोविड-19 मृत्यु दर भी घटकर 1.33 प्रतिशत हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 4,04,874 हो गई है, जो कुल मामलों का 1.23 प्रतिशत है। वहीं पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कुल 5,174 कमी आई है और देश में अभी तक कुल 3,20,63,616 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। अब मरीजों के ठीक होने की राष्टीय दर 97.44 प्रतिशत है।

समुद्र से दुश्मन देशों की मिसाइल पर नजर रखेगा भारत का 'ध्रुव'

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत की समुद्र में ताकत बढ़ने वाली है। भारत 10 सितंबर को पहला मिसाइल ट्रैकिंग शिप ध्रुव लॉन्च करेगा। न्यूक्लियर और बैलेस्टिक मिसाइल को ट्रैक करने वाला ये भारत का पहला जहाज है। ध्रुव की लॉन्चिंग के साथ ही भारत इस तकनीक से लैस दुनिया का 5वां देश बन जाएगा। फिलहाल केवल अमेरिका, फ्रांस, रूस और चीन के पास ही ये तकनीक है। बता दें कि सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल विशाखापट्टनम में ध्रुव को लॉन्च करेंगे।

बता दें कि मिसाइल को ट्रैक करने वाले ये जहाज रडार और एंटीना से लैस होते हैं जिनका काम दुश्मन की मिसाइल और रॉकेट को ट्रैक करना होता है। ट्रैकिंग शिप की शुरुआत अमेरिका से हुई, जिसने द्वितीय विश्व युद्ध के बचे हुए जहाजों को ट्रैकिंग शिप में बदल दिया।

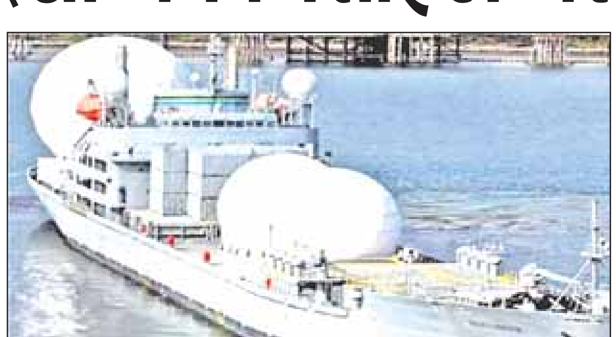

डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन, नेशनल टेक्निकल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन और भारतीय नौसेना ने मिलकर ध्रुव को तैयार किया है। ध्रुव को तैयार करने का काम जून 2014 में शुरू हुआ। 2018 में ये तैयार हो गया और फिर 2019 से इसका समुद्र में परीक्षण किया जाने लगा।

ध्रुव जहाज रडार टेक्नोलॉजी की सबसे उन्नत तकनीक इलेक्ट्रॉनिक स्कैन्ड अरे रडार्स से लैस है। इसके जरिए दुश्मन की सैटेलाइट्स, मिसाइल की क्षमता और टार्गेट से उसकी दूरी जैसी चीजों का पता लगाया जा सकता है। ध्रुव परमाणु मिसाइल, बैलेस्टिक मिसाइल और जमीन आधारित सैटेलाइट्स को भी आसानी से ट्रैक कर सकता है।

10 सितंबर को कमीशन होने वाले इस जहाज के जरिए 2 हजार किमी पर चारों ओर से नजर रखी जा सकती है। कई सार रडार से लैस इस जहाज के जरिए एक से अधिक टार्गेट पर नजर गड़ाई जा सकती है। जहाजों से निकलने वाले इलेक्ट्रोमैग्नेनिट रेडिएशन के जरिए ध्रुव उनकी सटीक लोकेशन बता सकता है।

ध्रुव जहाज के रडार डोम में एक्स-बैंड रडार लगाए गए हैं। लंबी दूरी तक नजर बनाए रखने के लिए इसमें एस-बैंड रडार लगाए गए हैं। इनके जरिए हाई रेजॉल्यूशन पर टार्गेट को देखना, जैमिंग से बचना और लंबी दूरी तक स्कैन करना मुमकिन है। वहीं, जहाज से चेतक जैसे मल्टीरोल हेलिकॉप्टर का भी संचालन हो सकता है।

भारत ने ध्रुव प्रोजेक्ट को बेहद खुफिया रखा और इसे दुनिया की नजरों से बचाए रखा। इसका कोडनेम पहले वीसी-11184 रखा गया। इस नाम को विशाखापट्टनम में यार्ड नंबर के तौर पर दिया गया। मेक इन इंडिया इनीशिएटिव के तहत विशाखापट्टनम के एक बंद डोकयार्ड में ध्रुव को तैयार किया गया।

ध्रुव जहाज भारत के लिए बेहद अहमियत वाला जहाज है। इंटर कॉन्टीनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल को ट्रैक करने के लिए ध्रुव जहाज काफी मायने रखता है। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को इस तरह के कई जहाज तैयार करने की जरूरत है।